नाम..... अनुक्रमांक .....

# अर्द्धवार्षिक परीक्षा—2021-22

## हिन्दी

## कक्षा—10

स-X–हिन्दी

समय : 3 घण्टे 15 मिनट ] [ पूर्णांक : 70

निर्देश—प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित में से कोई एक कथन सत्य है, उसे पहचानकर लिखिए—1

(i) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी एक कुशल सम्पादक, श्रेष्ठ निबन्धकार और विचारशील आलोचक थे।

(ii) 'कुरुक्षेत्र' रामधारीसिंह 'दिनकर' का प्रसिद्ध निबन्ध-संग्रह है।

(iii) 'जनमेजय का नागयज्ञ' जयशंकर प्रसाद का प्रसिद्ध उपन्यास है।

(iv) पं. रामचन्द्र शुक्ल एक श्रेष्ठ नाटककार थे।

(ख) 'उसने कहा था' किस विधा की रचना है। 1

(ग) जयशंकर प्रसाद के किसी एक नाटककार का नाम लिखिये। 1

(घ) 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक का नाम लिखिये। 1

(ङ) प्रगतिवादी युग के किन्हीं दो प्रमुख लेखकों के नाम लिखिये। 1

2. (क) 'गीतावली' के कवि का नाम लिखिये। 1

(ख) रीति ग्रन्थकारों में से किन्हीं दो का नामोल्लेख कीजिये। 2

(ग) रामनरेश त्रिपाठी की किसी एक कृति का नाम लिखिये। 1

(घ) तीसरा सप्तक' काव्य संग्रह का प्रकाशन किस वर्ष में हुआ? 1

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये—

$2+2+2=6$

(क) आज विज्ञान मनुष्यों के हाथों में अद्‌भुत और अतुल शक्ति दे रहा है, उसका उपयोग एक व्यक्ति और समूह के उत्कर्ष और दूसरे व्यक्ति और समूह के गिराने में होता ही रहेगा। इसलिए हमें उस भावना को जाग्रत रखना है और उसे जाग्रत रखने के लिए कुछ ऐसे साधनों को भी हाथ में रखना होगा, जो उस अहिंसात्मक त्याग-भावना को प्रोत्साहित करें और भोग-भावना को दबाए रखें। नैतिक अंकुश के बिना शक्ति मानव के लिए हितकर नहीं होती। वह नैतिक अंकुश यह चेतना या भावना ही दे सकती है। वही उस शक्ति को परिमित भी कर सकती है और उसके उपयोग को नियंत्रित भी।

P.T.O.

प्रश्न—(क) उपर्युक्त अवतरण का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) विज्ञान ने आज क्या किया है?

(ख) सावधान रहो, ऐसा न हो कि पहले-पहल तुम इसे एक बहुत सामान्य बात समझो और सोचो कि एक बार ऐसा हुआ, फिर ऐसा न होगा। अथवा तुम्हारे चरित्र-बल का ऐसा प्रभाव पड़ेगा कि ऐसी बातें बकने वाले आगे चलकर आप सुधर जायेंगे। नहीं, ऐसा नहीं होगा। जब एक बार मनुष्य अपना पैर कीचड़ में डाल देता है, तब फिर यह नहीं देखता है कि वह कहाँ और कैसी जगह पैर रखता है। धीरे-धीरे उन बुरी बातों में अभ्यस्त होते-होते तुम्हारी घृणा कम हो जायगी। पीछे तुम्हें उनसे चिढ़ न मालूम होगी; क्योंकि तुम यह सोचने लगोगे कि चिढ़ने की बात ही क्या है! तुम्हारा विवेक कुंठित हो जायगा और तुम्हें भले-बुरे की पहचान न रह जायगी। अन्त में होते-होते तुम भी बुराई के भक्त बन जाओगे; अतः हृदय को उज्ज्वल और निष्कलंक रखने का सबसे अच्छा उपाय यही है कि बुरी संगत की छूत से बचो।

प्रश्न—(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(ग) लेखक यहाँ किस बात के प्रति सावधान रहने को कहता है?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये तथा काव्य सौन्दर्य भी लिखिये— 1+4+1=6

(क) मानुष हौं तौ वही रसखानि, बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जौ पसु हौं तो कहा बस मेरो, चरौं नित नंद की धेनु मँझारन।।
पाहन हौं तो वही गिरि को, जो धर्‌यो कर छत्र पुरंदर-धारन।
जो खग हौं तो बसेरो करौं, मिलि कालिंदी-कूल कदंब की डारन।।

(ख) चींटी को देखो?
वह सरल, विरल, काली रेखा
तम के तागे-सी जो हिल-डुल,
चलती लघुपद पल-पल मिल-जुल
वह है पिपीलिका पाँति!
देखो ना, किस भाँति
काम करती वह सतत!
कन कन कनके चुनती अविरत!

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुये उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिये– 2+1=4

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) राजेन्द्र प्रसाद

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुये उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिये– 2+1=3

(i) सूरदास (ii) बिहारी लाल (iii) मैथिलीशरण गुप्त

6. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश अथवा श्लोक में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिये– 1+3=4

एषा नगरी विविध धर्माणां संगमस्थली। महात्मा बुद्धः तार्थकरः पार्श्वनाथः, शंकराचार्यः, कबीरः, गोस्वामी तुलसीदासः, अन्ये च बहवः महात्मानः अत्रागत्य स्वीयान् विचारान् प्रासारयन्। न केवल दर्शने, साहित्ये, धर्मे अपितु कलाक्षेत्रेऽपि इयं नगरी विविधानां, कलानां, शिल्पानां च कृते लोके विश्रुता।

अथवा

नीर-क्षीर विवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत्।
विश्व स्मिन्नधुनान्यः कुलव्रतं पालमिष्यति कः।।

7. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक में से कोई एक श्लोक संस्कृत में लिखिये, जो इस प्रश्न-पत्र में न दिया गया हो। 2

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिये– 1+1=2

(i) पुरुराजः कस्य मैत्रीसन्धि अस्वीकृतः?

(ii) केन कारणेन चन्द्रशेखरः न्यायालये आनीतः?

(iii) किम मूलं भारतीय संस्कृतेः?

8. (क) 'करुण' अथवा 'हास्य' रस की परिभाषा एक उदाहरण सहित लिखिये।2

(ख) 'उपमा' अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिये।2

(ग) 'सोरठा' अथवा 'रोला' छन्द की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण भी दीजिये। 2

9. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन उपसर्गों के मेल से एक-एक नया शब्द बनाइए– 3

अनु, अधि, उप, अभि, सह, अनु।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों के योग से एक-एक नया शब्द बनाइए— 3

आई, आनी, हट, हारा, बान

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए— 2

नवरत्न, नीलगगन, चक्रपाणि, पीताम्बर, चौराहा

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के तत्सम रूप लिखिए— 2

ओठ, मोर, दूध, खेत, तालाब, कान

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए— 2

आग, वायु, कमल, अमृत, पुष्प, तालाब

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का सन्धि-विच्छेद कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए— 2

स्वागतम्, यद्यपि, ममैव, जलौघ, देव्याज्ञा

(ख) 'नदी' अथवा 'फल' के पंचमी विभक्ति के द्विवचन के रूप लिखिए।2

(ग) 'पच्' अथवा 'दृश' धातु के लट्लकार प्रथम पुरुष एकवचन रूप लिखिए। 2

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—2

(i) वृक्ष से फल गिरते हैं। (ii) दान से कीर्ति बढ़ती है।

(iii) तुम घर जाओ। (iv) मोहन मिठाई खाता है।

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिये— 6

(i) छात्र और अनुशासन (ii) मेरा प्रिय कवि

(iii) पर्यावरण-प्रदूषण (iv) विद्यार्थी जीवन

(v) कोरोना : एक वैश्विक चुनौती।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के नायक/प्रधान/प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिये। 3

अथवा

अपने पठित खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सार अपने शब्दों में लिखिये। 3

●●